(1)

Page :
Date :

UNIT-1

• UNDERSTANDING DISCIPLINES AND SUBJECT- C.C.5

मानवशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य संस्कृति और जनजाति-

मानवशास्त्र मानव उसके जेनेटिक्स, संस्कृति और समाज की वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से अध्ययन है। इसके अन्तर्गत मनुष्य के अतीत और वर्तमान के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत अध्ययन किया जाता है।

मानवशास्त्र का अर्थ-

मानवशास्त्र-(ANTHROPOLOGY 'GREEK WORD' 'ANTHROPOS' MEANING 'MAN' AND THE NOUN ENDING LOGY MEANING 'SCIENCE' का शाब्दिक अर्थ 'मानव का विज्ञान' (THE SCIENCE OF MAN) है। वास्तव में यह शाब्दिक अर्थ अत्यन्त ही व्यापक और सामान्य है। अधिक यथार्थ और स्पष्ट रूप से मानवशास्त्र को हम मानव और उसके कार्यों का अध्ययन कह सकते हैं परन्तु यहाँ भी यह स्मरण रखना होगा कि मानव और उसके कार्यों का अध्ययन केवल मानवशास्त्र के द्वारा नहीं होता। अन्य सामाजिक विज्ञान भी इनका अध्ययन करते हैं। परन्तु मानव जाति के जन्म-जाति के जन्म से लेकर वर्तमान काल तक मानव और उसके कार्यों का जितना विस्तार अध्ययन मानवशास्त्र के अध्ययन-क्षेत्र के अन्तर्गत आता है। उतना और

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

किसी अन्य विज्ञान के क्षेत्र में नहीं
मानवशास्त्र की परिभाषा :-

① "मानवशास्त्र मनुष्यजाति के जन्म से लेकर वर्तमान काल तक मानव के शारीरिक, सामाजिक, तथा सांस्कृतिक विकास एवं व्यवहारों का वैज्ञानिक अध्ययन है।" सर्वश्री जैकब्स तथा स्टर्न के अनुसार

② "मानवशास्त्र मानव एवं उसके समस्त कार्यों का अध्ययन है। सम्पूर्ण अर्थ में यह मनुष्य की प्रजातियों एवं प्रथाओं का अध्ययन है।" श्री हॉबस के अनुसार

③ "मानवशास्त्र मनुष्यों के समूहों और उनके व्यवहार और उत्पादनों का विज्ञान है।" श्री क्रोबर के अनुसार

इस प्रकार हम कह सकते हैं। कि मानवशास्त्र सृष्टि के आरम्भ से लेकर अब तक की मानव जाति के समग्र रूप का वह विज्ञान है। जो कि उसके शारीरिक, सामाजिक, तथा सांस्कृतिक उद्भव एवं विकास का अध्ययन करता है।

मानवशास्त्र के प्रकार- ① मानव का उद्विकास
② शारीरिक मानवशास्त्र
② पुरातत्वमानवशास्त्र या प्राग-इतिहास
③ सांस्कृतिक मानवशास्त्र
④ वैज्ञानिक भाषा विज्ञान
⑤

① मानव का उद्विकास :- यह वह विज्ञान है जो मानव की उत्पत्ति के सम्बन्ध से अध्ययन करता है। इसका विशेष

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Page :
Date :

सम्बन्ध मानव वंशानुक्रमण से होता है। सन्तानोत्पत्ति की प्रक्रिया के अन्तर्गत GENES मे जो परिवर्तन होता है। और उसके फलस्वरूप मनुष्य के शारीरिक लक्षणों में जो भिन्नता आ जाती है। इन समस्त विषयों का अध्ययन मानव उद्भवशास्त्र का विशेष उद्देश्य है। दो भिन्न समूहों मे यौन सम्बन्ध (CROSSING) स्थापित हो जाने के फलस्वरूप जो वर्ण सकर सन्तानो की उत्पत्ति होती है उससे एक नवीन प्रजाति समूह की रचना हो जाती है। इस प्रक्रिया के अतिरिक्त उत्परिवर्तन (MUTATION) वाहकाणुओं की आकस्मीक हानि (ACCIDENTAL LOSS OF GENES) प्रकरण की प्रक्रिया आदि भी मानव उत्पत्तिशास्त्र का अध्ययन विषय है। संक्षेप मे मानव उद्भवशास्त्र के अध्ययन-क्षेत्र के अन्तर्गत वंशानुक्रम प्रक्रियाएँ, वंशानुक्रम में परिवर्तन की विधियाँ तथा शारीरिक अनुकूलन की प्रक्रियाएँ आती है।

② शारीरिक मानव शास्त्र - PHYSICAL ANTHROPOLOGY.

शारीरिक मानव शास्त्र, मानव के उद्विकास, शारीरिक बनावट, ढाँचा, प्रकृति तथा विभिन्नताओं का अध्ययन है। संक्षेप में शारीरिक मानवशास्त्र के शारीरिक पक्ष का अध्ययन करता है। किन-किन स्तरों में से गुजर कर मनुष्य पशु जगत से पृथक हो गया और फिर प्रथम मनुष्य होने के समय से वर्तमान समय तक उसके शारीरिक लक्षणों में

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

कौन-कौन परिवर्तन हुआ, इन समस्त विषयों का अध्ययन शारीरिक मानवशास्त्र करता है।

③ पुरातत्व मानवशास्त्र - ARCHAEOLOGY-

प्रायः एक शताब्दी पुराना पुरातत्व-शास्त्र का शाब्दिक अर्थ है प्राचीन का अध्ययन करना अतः आदि स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है। पुरातत्वशास्त्र खुदाइयों से प्राप्त कंकालीय तथा अन्य भौतिक अवशेषों के आधार पर प्राचीन मानव तथा उसकी संस्कृति की उत्पत्ति, उत्थान और पतन का अध्ययन है। इस प्रकार पुरातत्वशास्त्र के निष्कर्ष जमीन की खुदाइयों से उपलब्ध भौतिक अवशेषों पर आधारित होते हैं। पुरातत्वशास्त्र हमें प्राचीन मानव के औजार, हथियार, बर्तन, मकान, आभूषण आदि सम्बन्धों को बता सकता है। परन्तु अभौतिक संस्कृति जैसे- मनोविचार, जीवन-दर्शन, विश्वास, प्रथा, रीति-रिवाज, नियम-कानून आदि के सम्बन्ध में कुछ भी बताना इस शास्त्र के लिए सम्भव हो सकता है।

④ सांस्कृतिक मानवशास्त्र :-

मनुष्य और पशुओं में कुछ शारीरिक समानताएं होते हुए भी भिन्नताएं अधिक हैं। दो पैरों के बल सीधे चल सकना, हाथों से विभिन्न कार्यों को करने की शक्ति, जटिल मस्तिष्क जिसके कारण विचारने, कल्पना करने, तथा याद

Page :
Date :

रखने की शक्ति का होना आदि मनुष्यों को पशुओं से पृथक करता है। ये सभी शारीरिक विशेषताएँ एक दूसरे से सम्बन्धित है। और इनके कारण ही मनुष्य यंत्र, तथा औजारों को बना सकता है। रहने के लिए आवास का निर्माण, खाने के लिए अनाज उपजा सकता है। यान निर्माण कला, धर्म विश्वास, रीति- रिवाज, कला, साहित्य, संस्थाएँ, सामाजिक संगठन, आदि।

वैज्ञानिक भाषा विज्ञान- SCIENTIFIC LINGUISTICS
इसमें भाषा की उत्पत्ति, स्वरूप, विकास आदि का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है। भाषामें विभिन्न कालोंमें भाषा की विभिन्न इकाइयों- ध्वनि, वर्ण, शब्द, पद, वाक्य, ~~वाक्य~~ आदि।

NAME- RAJKUMAR